JET16-4-HI

जब दर्द हो तब परमेश्वर कहाँ होता है? प्रोग्राम 4

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, जीवन सरप्राइज से भरा होता है, एक दिन शायद अद्भुत हो और दुसरे दिन डॉक्टर आपको जिन्दगी खत्म करनेवाली बीमारी की खबर दे, एक्सीडेंट, प्राकृतिक विपदाए, अपराध, अपाहिज होना, जो पल भर में हमारे जीवन को बदल देगा, जब ऐसा होता है तो लोग पूछते हैं जब जीवन में इतना दर्द है तो परमेश्वर कहाँ है? ऐसे लोग सच्चे लोगों से जवाब पाना चाहते हैं, जिन्होंने उनके जितना या उनसे भी ज्यादा दू:ख सहा है, और आज आप ऐसे दो लोगों से सुनेंगे/

जॉनी इरिक्सन टाडा का 17 साल की उम्र डायविंग एक्सीडेंट में स्पाय्नल कार्ड टूट गई, जिससे ये क्वाटरप्लिजिक हुई, ये पिछले 50 साल से विहिल चेअर पर बैठी हैं, और उससे भी बढकर इन्हें ब्रेस्ट कैंसर हुआ, हरदिन बहुत दर्द सहती जाती हैं, डॉ. माइकल इसली मुड़ी बाइबल इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट थे, इन्होने भयानक पीठ का दर्द महसूस करने पर रिजाईन किया, इनकी परेशनी से पीड़ादायक ऑपरेशन हुए, डॉक्टर ने इनकी सारी डिस्क निकाल दी और इनकी जान बचाने के लिए सारी हड्डियाँ इनकी स्पयनल कॉलम से जोड़ दी, अब ये लीड पास्टर हैं, फेलोशीप बाइबल चर्च, ब्रेंटवुड टेनसी में/ लेकिन हर दिन बहुत दर्द के साथ जी रहे हैं, ये दोनों जवाब देंगे आज के विषय पर कि जब जीवन में दर्द होता है तो परमेश्वर कहाँ हैं? हमारे साथ द जॉन एन्करबर्ग शो के इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, मैं हूं जॉन एन्करबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, जैसे आपने सुना हमारे दो अद्भुत मेहमान हैं, डॉ. माइकल इसली, और जॉनी इरिकसन टाडा, और आज हमारा मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है, ऐसा क्यों है जो अपाहिज हैं और बीमारी में पड़े हैं, शायद आपके बारे में कह रहे हैं, शायद आपको कैन्सर है या ए एल एस हैं, शायद अपाहिज हैं, या लकवा हुआ है, या आपको और कुछ हुआ है, आप परमेश्वर के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं? और कैसे आपके जीवन का अर्थ और उद्देश्य हो सकता है? शायद आपने ये विकाह्ल छोड़ दिया होगा, शायद कुछ दर्शक जॉनी के जैसे अपाहिज हैं, विहिल चेअर पर पड़े हैं, या बिस्तर पर, शायद आप मेरी माँ जैसे होंगे, जो चल नही सकती थी, बोल नही पाती, लुगैरिग बीमारी की शिकार थी, आपका मन सही है, लेकिन शरीर में कमजोर हैं, सब खत्म होते आ रहा है और आप इसके लिए कुछ भी नही कर सकते हैं/

जॉनी , कुछ लोगों को भावनात्मक परेशानी हैं, बच्चा खोद दिया, या पति खो दिया या पत्नी, प्रियजन खो दिया, ये लोग कैसे जाने कि वो अभी भी परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण है, उनके जीवन में अभी भी अर्थ और उद्देश्य है, और यदि दू:ख उठा रहे हैं, और बिस्तर पर हैं, बाहर नही आ पाते, अपाहिज होकर विहिल चेअर पर हैं और इनके दू:ख सृष्टिकर्ता परमेश्वर अनदेखा नही कर रहा है, और ये अनंतकाल का प्रतिफल ला सकता है/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, आपसे बातें करते हुए मुझे मेरे दोस्त जॉन मैक-अलेक्जेंडर याद आते हैं, सवा छह फिट के सुंदर जवान, लेकिन उन्हें न्यूरो-मस्कुलर डिसीज थी जिसे पूरा शरीर व्यर्थ हो गया, बहुत बार वो अपने

तीन पहिया गाडी पर बैठते, और नर्सिंग होम के मरीजों से मिलने जाते थे, वो अपाहिज होने के बाद भी उनका दिल लोगों की सेवा करना चाहता था, लेकिन ये बीमारी आगे बढती गई, और फिर ऐसा समय आया कि वो असाह्य थे, उन्हें उनके लिविंग रूम के बीच बेड पर रखा गया, फीडिंग ट्यूब जोड़ दी गई, और मुश्किल से बात कर पाते थे, धीरे से कहते/

जब मैं उनसे मिलने के लिए गई, उनसे मिलना मुझे पसंद था, क्योंकि वो बहुत तेजोमय थे और उनकी आत्मा मेरे लिए प्रेरणादायक थी, खैर एक रात उन्हें श्वास लेना बहुत मुश्किल हो रहा था, और वो मदत के लिए बुलाना चाहते थे, लेकिन नही बुला पाए, उनकी पत्नी ऊपर थी, और उस कमरे में जो मोनिटर थे उससे उनकी धीमी आवाज़ सुनाई नही दी, रात को एक चींटी उनकी तकिया के पास आई और फिर बहुत सी आई, सैकड़ों आई और फिर हजारों चीटियाँ आई, उन पर हावी हो गई, काली चीटियाँ उनके शरीर को ढांकने लगी, उनकी नाक में, उनकी आंखों में, उनके कानों में, वो मदत के लिए बुलाना चाहते थे, लेकिन नही कर पाए/

जब मुझे इसकी खबर मिली, तब मैं इंग्लैंड में थी, जब मैंने इमेल पढ़ा तो चौक गई, और उनकी पत्नी ने कहा प्रार्थना कीजिए, मैंने जॉन को इतना निराश नही देखता है, जब मैं इंग्लैंड से वापस आई तो सबसे पहले अपने इस मित्र से मिलने गई, और उनकी चमड़ी पर अभी भी चीटियों के कांटने के निशान थे, लेकिन कुछ भी हो उनकी आंखों में बहुत चमक थी, उन्होंने बहुत धीरे से मेरी ओर देखकर मुस्कुराकर कहा, मैंने उन्हें मारा जॉनी, मैंने उन्हें मारा और बच गया/

माफ करना, आँसुओं के बिना ये कहानी नही बता सकती, क्योंकि जॉन, इफिसियों 3:10 के वचन के अनुसार जीते हैं, जो कहता है कि ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का विभिन्न प्रकार का ज्ञान उन प्रधाओं और अधिकारीयों पर जो स्वर्गीय स्थानों में है, प्रगट किया जाए/ जॉन के जीवन के अंत में बहुत से भेंट करनेवालें नही आए, वो इतने समय से बीमार था की बहुत से लोग उसके बारे में भूल गए थे, वो बहुत से लोगों के साथ नही घूमता था, बो लोगों के साथ नही था उसकी गवाही ने दुसरे लोगों को प्रभावित नही किया, लेकिन उसका जीवन उस बिस्तर पर, उस लिविंग रूम में, ये चमकती गवाही थी, उसका जीवन चॉकबोर्ड था जिस पर परमेश्वर अपने बारे में लिखनेवाला था, मेरा अनुग्रह बहुत है, मैं जरूरत में मदत करूंगा, मैं परेशान लोगों की पुकार सुनूंगा और उनकी मुश्किल में उनकी मदत हो जाऊंगा/ मानो परमेश्वर इसे दिखा रहा था सामर्थ और प्रधानताओं को, पृथ्वी के कुछ लोगों को ही नही, लेकिन वहां उन अदृस्य लाखों जनों को, जो जॉन की इमानदारी से चकित हुए थे, और वो खुद ये सोच रहे होंगे कि इस मनुष्य का परमेश्वर कितना महान है, जिससे ये इतना ईमानदार हैं/

जब लोग अकेले रहकर दु:ख उठाते हैं, और माइकल और मैं बहुत से लोगों को जानते हैं, हम तो दु:ख सहनेवाले समूह के भाग हैं, कहा जाए तो, और बहुत से लोग जो दु:ख उठाते हैं वो कई साल से बिस्तर पर पड़े हैं, एक या दो तो दस साल से ज्यादा समय से/ उन्हें बंद रखा जाता है, और जैसे जॉन मैक-अलेक्सज़ेडर ने कहा, उनसे मिलने के लिए कोई नही आता, कोई उनकी मजबूत गवाही नही सुनता, वो अकेले रहते हैं, लेकिन मैं आपको बताऊ, बड़े बड़े करोड़ों लोग परमेश्वर कौन हैं इसके बारे में सिख रहे हैं, जैसे वो इसे देखते हैं, प्रभू का अनुग्रह उन्हें प्रोत्साहित करता है, उन्हें बनाए रखकर मदत करता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं सोचता हूं कि आत्मिक संसार के बारे में कहते हुए, परमेश्वर उन्हें देखना भी जोड़ता है, जानते हैं लूका 15:10 कहता है, एक मन फिरानेवाले पापों के विषय में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के सामने आनंद होता है/ आत्मिक संसार इस युद्ध को देखते जाता है, यदि कोई नही देख रहा है, तो परमेश्वर और उसके स्वर्गदूत, अच्छे और बुरे, जो भी हो रहा है उसे देख रहे हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: ओ, मेरे प्रभू और ये तो सबसे छोटा और महत्वहीन दिखनेवाला विश्वासी, ये उनके लिए उनकी युद्ध भूमि में तो संसार की सबसे बड़ी सामर्थ युद्ध में जुडती है, उसके बारे में क्या, मतलब, ये दीखता है की सच में ये कॉस्मिक बातें कैसे हैं, परमेश्वर के लिए हमारे भरोसे और आज्ञाकारिता के बारे में, जब जॉन मैक-एलेग्जेंडर मर गए, याने कुछ समय पहले, जैसे उनकी आत्मा स्वर्ग की ओर उठी, मैं निश्चित हूं कि लाखों स्वर्गदूत सीधे खड़े हुए और इस संत को सलाम किया होगा जैसे इनकी आत्मा जा रही थी, कि प्रभू के सिंहांसन तक पहुंचे क्योंकि उन्होंने इतना आदर पाया होगा और मैं निश्चित हूं, यदि स्वर्गदूत आनंद मानते, खुश और मगन होते, एक पापी के पश्चाताप पर, तो कितना आनंद मनाएगे जब वो पापो संत हो जाता है, सबसे मुश्किल समय में परमेश्वर पर भरोसा रखिए, और खुद को मसीह के राज्य में एक महान और वीर योद्धा दिखाते जाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, ये छोटी कहानी है जो मैं अपने मन में ये चित्र सोचता हूं कि लोग मसीह के न्याय आसन के सामने आएँगे, महान पल में, और फिर आपके मित्र जॉन आते हैं, और जब वो चलते हुए सामने आते हैं, तब हर जब से पिता परमेश्वर की आवाज़ गूंजते हुए कहेगी, ये है जिसने मेरे पुत्र की सेवा की है /

जॉनी इरिकसन टाडा: हालेलुयाह/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आज इसका आदर करते हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: मैं वो मौका खोना नही चाहती हूं, मैं वहां रहना चाहती हूं, जॉन मैक-अलेक्सज़ेडर के आदर में रहना चाहती हूं, मैं अपने उद्धारक को शरमिंदा कर अपमानित नही करना चाहती हूं, कि मेरी शिकायत और कुडकुडाने बुरा दिखाना नही चाहती हूं, मैं अपने अंगीकार को थामना चाहती हूं, पिछले प्रोग्राम में माइकल इबानियों से ये वचन बता रहे थे, हम अपने अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहे, मैं उस सभा में रहना चाहती हूं जिसमें स्वर्ग में आदर किया जाएगा, और ये सब यहाँ पृथ्वी पर होता है, जब हमारे पास कुछ साल हैं, कि अपने विश्वास को सच्चा साबित करें, जैसे वचन में बताया गया है, मैं अपना विश्वास सच्चा साबित करना चाहती हूं, शिकायत न करने से, और दृढ़ता से अपने उद्धारक के पीछे चलने के द्वारा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: इसके पहले कि जॉन जैसे लोगों से प्रभावित होनेवाले लोगों के बारे में देखे, चलिए अय्यूब के बारे में देखते हैं, स्वर्ग में जो बातचीत हुई थी, जिसके बारे में अय्यूब नही जानता था, ठीक है/ इसके बारे में बताइए माइकल/

डॉक्टर माईकल ईसली: अय्यूब में ये तीन बार है, अय्यूब 1:8, 1:12, और 2:6 में, जहाँ परमेश्वर के पास शैतान आता है और परमेश्वर शैतान से कहता है, याने इस वचन के भाग तो चौकानेवाला है, अय्यूब अपनी ही धार्मिकता का काम कर रहा था, और प्रभू शैतान से कहता है, और जैसे हम इसे पढ़ते हैं ये बात तो सच में चकित करनेवाली है, लेकिन हर समय यहाँ मोल-भाव होता है, ये कह सकते हैं, कि वो अपने कामों में और आगे बढ़ सके और अय्यूब को और परेशान कर सके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: परमेश्वर अय्यूब के बारे में मोल-भाव कर रहा था, क्या तुम ने मेरे इस अच्छे दास को देखा है?

डॉक्टर माईकल ईसली: जैसे जॉन, मतलब ये अच्छा काम कर रहा है, परमेश्वर इसे किसी कारण होने देता है जिसे हम महिमा तक नही जान पाएगे, वो अनुमति देता है कि ठीक है तुम उसे छू सकते हो लेकिन मार नही सकते, लेकिन छू सकते हो, वो उसके बच्चों को मार देता है, उसकी जीविका खत्म कर देता है, उसका जीवन

उसके विरुद्ध कर देता है, ये कह सकते हैं, वो उस पर विपत्ति लाता है, अय्यूब 6:10 कहता है, यह मेरी शान्ति का कारण होता, वरन भरी पीड़ा में भी मैं इस कारण से उछल पड़ता, क्योंकि मैंने उस पवित्र के वचनों का कभी इनकार नही किया/ चाहे ये जॉन हो या जॉनी हो जिन्हें परेशानी हैं, क्या हम इस भयानक पृथ्वी के जीवन को सह सकते हैं, कि कहे कि मैं परमेश्वर का इनकार नही करूंगा, अवश्य ही सवाल होते हैं, अवश्य ही कुछ लोग पूछते हैं क्यों? मैं पूछता हूं कैसे, और कितना भयानक है, जॉनी ने पूछा कि कैसे और कितना भयानक है, लेकिन मैं परमेश्वर का इनकर नही कर रहा हूं, मैं तो कमजोर, असफल, पापी विश्वासी हूं जो कहता है, "मैं इस दशा में कैसे जी सकता हूं? और जैसे हमने पिछले प्रोग्राम में कहा है, और दुसरे लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, और हम देखते हैं कि बहुत से लोग हैं जो दु:ख में पड़े हैं और परेशानी में हैं, और चाहे कुछ भी हो कुछ आशा नही है, बिलकुल जॉनी, जैसे ही जब मैं उठता हूं, और मैं अपने समय का दस प्रतिशत समय लोगों को प्रोत्साहित करता हूं, जिन्हें दर्द हैं, हमेशा का दर्द है, पीठ दर्द है, उन्हें इमेल लिखता हूं, उन्हें फोन करता हूं, उनसे बातें करता और कहता कि क्या उन बातों में आपको प्रोत्साहित कर सकता हूं, बस मसीह को थामे रहिए, अगला काम कीजिए, निराश न हो, मेरे प्यारे पास्टर दोस्त थे, डॉ. मुड़ी, जब अब प्रभू के पास हैं वो कहते थे माइकल, तुम निराश न होना, निराशा कभी कुछ हासिल नही कर सकती है, और ये विचार है कि क्या तुम फिर भी विश्वासयोग्य रहोगे जब तुम नही समझते हो की क्यों और कैसे?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मैं देखता हूं कि परमेश्वर ने अंत में शैतान को अय्यूब की सेहत को भी छने दिया, भयानक चित्र था, पुरे शरीर पर फोड़े थे,ठीक है, और अय्यूब ये कहता है, वह मुझे घात करेगा, मुझे कुछ आशा नही, तौभी उसके पर भरोसा रखूंगा, ये मेरे लिए सामर्थी है, जब मेरे दादाजी, दादाजी स्वीडिश थे, उनकी पत्नी मर गई, जिनसे बहुत प्यार था, उन्होंने इसके बारे में ज्यादा नही कहा, फ्यूनरल में वो खड़े हुए और केवल यही कहा, उनके फ्यूनरल में, चाहे वो मेरा घात करे, तौभी उस पर भरोसा रखूंगा, और वो बैठ गए, मैं इसे कभी नही भुला, क्योंकि प्रभू पर भरोसा किया कि वो जानता है कि वो क्या कर रहा है, और परमेश्वर इसे पूरा करेगा/

ठीक है, तो जब आप बहुत दर्द का अनुभव करते हैं, और आपका पूरा शरीर कमजोर होते जाता है, तो फिर क्यों आगे बढ़े? आज अमेरिका में कन्वेंशनल बुद्धि ये कहती है, और संसार के बहुत से देशों में भी, जब इस जगह पहुंचते हैं, तो आत्महत्या कर लो, नगर से बाहर चले जाओ, बस यही, उन्हें ऐसा क्यों नही करना चाहिए, माइकल? बाइबल के अनुसार उन्हें करने के लिए और भी काम हैं?

डॉक्टर माईकल ईसली: ये शायद मुश्किल होगा कि इस काम को जाने, शायद इसके लायक होना मुश्किल हो, वचन के दो भाग हैं, भजन 115 और 116 से, जो मुझे चुनौती देते हैं, भजनकार कहता है, मृतक चुपचाप पड़े हैं, वे तो याह की स्तुति नही कर सकते हैं, ये हमारे लिए है, परन्तु हम लोग याह को अब से लेकर सर्वदा तक धन्य कहते रहेंगे, याने काम बाकि है, यदि मैं चले जाऊं, तो खत्म हो जाएगा, अवश्य ही लोग याद करे या स्मरण करें या कुछ अच्छे शब्दों को मेरे बारे में कहे, लेकिन, हमारे पास जो मौका है वो नही रहेगा, और फिर ये मुझे उत्साहित करता है भजन 116 वचन 15 से, यहोवा के भक्तों की मृत्यु उसकी दृष्टी में अनमोल है/ जब हम इन दोनों को एक साथ रखते हैं, तो हमारे पास अधिकार नही कि कहे कि यही समय है, लेकिन जब समय आता है, वो प्रभू के लिए अनमोल है, वो उसकी परवाह करता है/

मैं अपन मेन्टर के फ्यूनरल में कुछ साल पहले गया था, हमारे पास वहां प्रायवेट ग्रेवसाइड थी, बड़े मेमोरियल की बगल में, और उनके प्यारे दोस्त ने उनके लिए व्यवस्था-विवरण 34 से पढ़ा, जहाँ मसीह नीचे आकर मूसा को उस जगह दफनाता है जिसे कोई नही जानता, और उन्हें ऐसे बात देखी जो मैंने कभी नही सुनी थी, उसके दासों की मृत्य में सम्मान होता है, और यीशु अपने दस मूसा को दफनाने के लिए नीचे आया, अद्भुत सेवक को,

यदि इसे एक साथ जोड़े तो इसके लिए समय है, जगह है, हमें ये निर्णय नही लेना है, ये प्रभू के लिए अनमोल है जब परमेश्वर का वो भक्तिपूर्ण दास इस जीवन से अगले जीवन में जाता है/

ये समझना जितना मुश्किल है, हम पर ऐसे अद्भुत प्रभाव हुए हैं, ऐसे पुरुष या स्त्री हो जो परमेश्वर चाहता है कि हम हो, चाहे हमारी परिस्थिति कुछ भी हो, केवल विश्वासयोग्य होने से, बस ये कहना चुनने से कि मैं अगला काम करूँगा, मैं आज आगे बढ़ूँगा, मेरे मार्ग में आनेवालों के लिए प्रार्थना करूंगा, प्रभू से प्रार्थना करूंगा कि इतना अनुग्रह और दया दे, कि आगे बढ़ते जाऊं, मैं सोचता हूं कि हमारे पास अधिकार नही कि हम प्रभू के समय से बाहर निर्णय ले/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, आपके पास एक महान कहानी हैं आपके एक सहेली की, जो आत्महत्या कर यहाँ से जाना चाहते थे, और आपने बातें कर उन्हें बाहर निकाला मुझे वो कहानी बताइए/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, मेरी मुलाकात उनसे हमारी एक जॉनी एण्ड फ्रेन्ड्स रिट्रीट में हुई थी, हम इसे परिवार की खास जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं, और कार्ला लारसन ने आने के लिए साइन-अप किया था, और मैं उनके रजिस्ट्रेशन जानकारी को पढ़ रही थी, और मैंने देखा कि ओ मेरे प्रभू, कि इस बहन को डबल ऐम्प्युटी हुआ, उन्हें तीन हार्ट-अटैक आए थे , एक किडनी ही बची थी, उन्हें भयानक अड़ीमा था, हमेशा अन्जियोप्लास्टी करती थी, पूरी तरह अंधी थी, हालही में उसकी और दो उँगलियाँ काट दी गई थी, और मैंने सोचा कि मैं जाकर इस बहन से मिलकर प्रार्थना करुंगी/

तो मैं कैम्पस में घुमने लगी, और मैंने कहा, कार्ला मैं खुश हूं कि आप आई, उन्होंने जवाब दिया कि मेरे शरीर के और कुछ हिस्से खोने से पहले मैं सोचा कि परिवार की रिट्रीट में चले जाऊं, कुछ भी हो, उनकी समझ खत्म नही हुई थी, लेकिन वो विहिल चेअर पर थी, और मैं उनके शॉर्ट्स के नीचे नकली पैर देख सकती थी, वो नकली पैर पहने हुए थी, वो मानो किसी तरह से मैटेलिक दिख रहे थे, और उनकी उँगलियाँ नही थी, एक हाथ में तीन उँगलियाँ थी और दुसरे पर दो ही थी, और उन्होंने मुझ से खा, अपने बैंडेज लगे हाथों को थामकर, अपने कटे हुए पैरों का सहारा लिया, कहा, मैं आगे क्यों बढ़ूँ? कुछ भी हो परमेश्वर मुझे जल्दी घर ले जाएगा, तो और जल्दी क्यों नही? जॉनी, इससे निपटना बहुत मुश्किल है, मुझे बताओ, मुझे क्यों रहना चाहिए?

मैंने कहा, कार्ला मैं चाहती हूं कि आप मेरी बाइबल खोलकर कुछ पढिए, उन्हें ये अजीब लगा क्योंकि मैंने बिना ऊँगलीवाली स्त्री को बाइबल खोलने के लिए कहा था, मैंने उसे याद दिलाया कि मेरी दशा तो उनसे भी बहुत बुरी है, मेरी उँगलियाँ तो काम ही नही करती, तो वो मेरी बाइबल उठाने लगी, जो मेरे विहिल चेअर पर मेरी बगल में थी, मैंने कहा फिलिप्पियों अध्याय 1 निकालीए, और वचन 21 से मेरे लिए पढिए, और वो पढने लगी, क्योंकि मेरे लिए जीवित रहना मसीह है और मर जाना लाभ है, जी, देखिए इसे जॉनी, मरना लाभ है, मेरे लिए प्रभू के पास जाना भला है, मैंने कहा आगे पढिए, ठीक है, उन्होंने पढ़ा, पर यदि शरीर में जीवित रहना ही मेरे काम के लिए लाभदायक है, तो मैं नही जानता कि किसको चुनूँ, मैं दोनों के बीच अधर में लटका हूं, जी तो चाहता है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूँ, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है, फिर उन्होंने पढ़ा परन्तु शरीर में रहना तुम्हारे कारण और भी आवश्यक है/

मैंने कहा, कार्ला रुकीए/ आखरी भाग को फिर से पढिए, परन्तु शरीर में रहना तुम्हारे कारण और भी आवश्यक है/ आपके क्लिनिक में रूम कार नर्स हैं, जो यीशु को नही जानती हैं, और आपका दर्द तो बहुत भयानक है, लेकिन वो जिस दर्द का अनुभव कर रहे हैं ये उनके सामने दीपक जैसे हो सकता है, कि मसीह के बिना अनंतकाल न बिताए, आपने मुझे बहुत से रिश्तेदारों के बारे में बताया, जो यीशु को नही जानते हैं, आपने मुझे

कॉलेज के बास्केटबॉल की सहेलियों के बारे में बताया, जो यीशु को नही जानते हैं, आपने मुझे हॉस्पिटल के दुसरे लोगों के बारे में बताया, जो आपका आदर करते, सराहना करते और प्यार करते हैं, आपकी सारी सहेली, कार्ला आपका इतना आदर करती हैं, क्या आप उनके लिए पृथ्वी पर थोडा और समय नही रुक सकती हो/ उनके बारे में सोचिए/

फिलिप्पियों अध्याय 2 वचन 4, अपने ही हित की न्हही, वरन दूसरों के हित की भी चिन्ता करे, इससे बढकर क्या दिलचस्पी हो सकती है कि किसी दुसरे के अनंतकाल के बारे में सोचे? कार्ला, खुद को ऐसी ही कब्र में मत रखो, इसके साथ बने रहो, डटे रहो, क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो विश्वास करते हैं कि ये उनके लिए बहुत जरूरी हैं कि आप बनी रहे/

मैं सोचती हूं कि ये सबसे उत्तम वचनों में से हैं कि लोग डटे रहे, खुद पर ध्यान लगानेवाले ढांचे से बाहर आए, और ये जाने कि आपका डटे रहेना, आप प्रभू के अनुग्रह से सहती चली जाए, ये आपको देखनेवाले लोगों पर जीवन बदलनेवाला प्रभाव डाल सकते हैं, दूसरे जो दोष निकालते हैं, आरोप लगाते, जब वो देखेंगे कि आप परमेश्वर के अनुग्रह से डटी हुई हो, इसके कारण वो दो बार सोचेंगे आपके भरोसे के बारे में, इस तरह बने रहने के लिए ये अच्छा कारण है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, माइकल, इन्होने कहा कि चार कारण हैं कि हमें बने रहना है, हमारे लिए, शायद परमेश्वर और कुछ दिखना चाहता है, हमारे परिवार के लिए, दोस्त, अजनबियों के लिए, परमेश्वर की महिमा के लिए, जो उसके लिए जरूरी है, स्वर्गीय जन देख रहे हैं, चलिए अब परिवार के बारे में समझते हैं, जब लोग अंत में आते हैं, तो ये जानना बहुत जरूरी है कि वो अपने बच्चों पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं, नाती-पोती पर, अपने बेटे और बेटियों पर, आस पास के मित्रों पर, इसके बारे में कुछ बताइए/

डॉक्टर माईकल ईसली: इन अंतिम शब्दों के बारे में कुछ हैं जो हमारे लिए सबकुछ होते हैं, आपने सारी चार बातें जो बताइए हैं जॉन, मैं सोचता हूं कि हम इसके प्रभाव के बारे में फिर से देखें, हम नही जानते हैं कि ये कितना सामर्थी और महत्वपूर्ण है, मैं सोचता हूं की बहुत से लोगों की उम्र जब बढती है, तो हम बुद्धि पाते हैं और हम थोड़े नम्र हो जाते हैं, जैसे जवानी में थे उससे समझदार होते हैं, हम दूसरी समस्या के लोगों को अलग तरह से देखते हैं, और हम अपने बच्चों पर ज्यादा दया करते हैं, मुश्किल संबंधो पर ज्यादा करुणा करते हैं, कि मसीह के लिए उन से प्यार करे, ये शायद बदलनेवाला हो, जिसे उन्हें ये कहने में मदत हो, इस व्यक्ति के दर्द में, इनकी बीमारी में, वो मेरी सेवा करते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप दोनों कैसे लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, कि आत्मा मजबूत रखे जब वो इस दशा में आते हैं, जब सब कुछ नाश होते जाता है/

जॉनी इरिकसन टाडा: मैं सोचती हूं कि सबसे अच्छा तो यही करता है कि खुद के बारे में विचार करें, लोग जो आपके लिए प्रार्थना करते हैं, हम भयानक दर्द के मांस और लहू से नही लड़ते, हम क्वाटरप्लीज के दर्द से युद्ध नही करते हैं, या स्पयनल कार्ड, या बहुत सी बीमारी या दूसरी बिमारियों से, या जीवन में आनेवाली भयानक बिमारियों से, लू-गैरिक डिसीज या अल्जाइमर या और किसी बीमारी से, हम सामर्थ और प्रधानताओं से लड़ते हैं, जो आकाश में हैं, जिन्हें और कुछ नही बस हमें हराया हुआ और निराश रखते जाना ही पसंद है, तो निराशा के इन दृढ़ गढ़ों को ढा दे, अपने कुछ करीबी मसीही दोस्तों से अपने लिए प्रार्थना करने की बिनती करने के द्वारा, अगर मसीही दोस्त नही हैं तो करीबी चर्च से सम्पर्क कीजिए, और उनके प्रार्थना सुमह के सम्पर्क में बने रहिए, और दूसरों को अपने लिए प्रार्थना करने के लिए कहिए, क्योंकि प्रार्थना दिलों को बदलती है, प्रार्थना

हमारा दृष्टिकोण बदल सकती है, प्रार्थना निराशा को दूर कर सकती है, लेकिन ये दूसरों तक जाने से शुरू होता है, जैसे मैंने पिछले प्रोग्राम में कहा था, कोई अकेला दू:ख नही उठाता है, इसलिए परमेश्वर ने आत्मिक समाज बनाया है, तो मदत के लिए आगे बढ़े और मदत मांगीए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मुझे वो कहानी पसंद है जो अपने बताई थी कि एक स्त्री जो दस साल से बिस्तर पर थी किसी कोने में और वो तारों को भी नही देख सकती थी/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और उन्होंने कहा कि आपके लिए प्रार्थना कर उन्हें आनंद मिलता है/

जॉनी इरिकसन टाडा: बिलकुल, ये तो एक छोटा सा समूह है, 35 लोग जिन्हें भयानक दर्द होता है,और ये बहन रिका थेरन, जो दक्षिण अफ्रीका में रहती हैं, जो दस साल से बिस्तर पर थी, मुझे याद है, मैंने उन्हें एक बार इमेल भेजा था, मैं आशा करती हूं कि आप अपने देश में तारों को देख सकती हैं, और मैंने कहा कि वो दक्षिण अफ्रीका में रहती हैं, उन्होंने कहा, ओ जॉनी, इमेल में बताया कि कई साल से मैंने तारे नही देखे हैं, मेरा बिस्तर कमरे के कोने में हैं जहाँ से मैं उन्हें नही देख सकती, लेकिन जानती हूं कि वो वहां ऊपर हैं, और ये मुझे संतुष्ट करता है, और उन्होंने कहा कि ये उनके लिए बड़े आनंद की बात है की माइकल के लिए और मेरे लिए प्रार्थना करें और दर्द में पड़े इन सभी लोगों के लिए, यदि वो मेरे लिए मध्यस्थी करती हैं, तो मुझे आगे बढना होगा कि मैं सक्रिय रूप में वो सब करूं, जो पवित्र आत्मा मेरे जीवन में करना चाहता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अगले हफ्ते मैं आप दोनों से ये सवाल पूछना चाहता हूं, जब आप निरन्तर परेशानी का अनुभव करते हैं तो कैसे खुद को निराशा में जाने से रोक सकते हैं, निमोनिया में, ब्रेस्ट कैन्सर में, और बढ़ता हुआ भयानक दर्द में, ये तो वापस आते जाता है, इसी तरह, रुकता नही, ये रुकनेवाला नही, आपने इस निराशा का अनुभव किया है, मैं चाहता हूं कि आप लोगों को सलाह दे, कि उन्हें क्या करना चाहिए, जब वो उन्ही बातों का अनुभव करेंगे जो आप कर रहे हैं, आशा है आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्‌ ्यद्‌ ठ्ठ्र्‌ड्ड्रद्य ख्ड्डद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ॠ ख्ॠद्मण्दृध्‌.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2012 ॠच्ड्ढक्ष्‌